

(घ) क्या सरकार का विचार अब भी सूची से नियुक्तियां करने का है और इन नियुक्तियों को करने में विलम्ब करने के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

बिल तथा राजस्व और बैंकिंग मन्त्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) जी, हाँ ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) से (ङ) महालेखाकार के कार्यालय अथवा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से लिए गये अर्हतारहित व्यक्तियों के स्थान पर अर्हता प्राप्त प्रभागीय लेखाकारों की व्यवस्था करने तथा प्रभागीय लेखाकारों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को भी पूरा करने के आशय में परीक्षा ली गयी थी । लेखाओं के विभागीयकरण के परिणामस्वरूप प्रभागीय लेखाकारों के पदों पर तैनाती की सम्पूर्ण योजना की समीक्षा क की गयी । यह महसूस किया गया कि प्रभागों में उल्लंघन होने वाले लेखा रखने मन्वन्धी कार्यों और वित्तीय सलाहको मजबूत करने की आवश्यकता है और जिन व्यक्तियों ने भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग की कनिष्ठ लेखा अधिकारी (असैनिक) परीक्षा अथवा अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा पास की हैं। इसके बाद उनको प्रभागीय लेखाकार के रूप में तैनात किया जाए । इसके अलावा प्रभागीय लेखाकारों के संवर्ग में अधीनस्थ लेखा सेवा कर्मचारियों के पदोन्नति अवसरों न होने के कारण यह विचार किया गया कि अधीनस्थ लेखा सेवा में और आगे व्यक्तियों को लेने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाए । महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण और विविध द्वारा ली गयी परीक्षा में पास हुए व्यक्तियों

को उपयुक्त विद्यमान खाली पदों पर नियुक्त करने सम्बन्धी प्रश्न पर, जो 1977 में ली गयी कनिष्ठ लेखा अधिकारी परीक्षा के परिणामों का पता लगने के पश्चात् ही विचार किया जाएगा ।

**Re-instatement of Shri Kripa Shankar and other Employees of the Office of Accountant General, Allahabad**

5331. SHRIMATI KAMLA BAHU. GUNA: Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state the reasons for not reinstating so far Shri Kripa Shankar and other employees of the office of the Accountant General, Allahabad, removed from service or suspended for political reasons during emergency?

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL): Shri Kripa Shankar was removed from service under Article 311(2)(c) of the Constitution in December, 1976 as his activities were found to be such as to warrant his removal from service. His representation for reinstatement is receiving attention of the Government in consultation with the Comptroller and Auditor General of India. Two other employees S/Shri D. V. Parashary and Kalp Nath Singh have been reinstated in service in May, 1977. The services of the remaining employees viz. S/Shri D. N. Misra and N. K. Sharma both clerks were terminated with effect from 15-9-1975 under Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1955. Shri Misra has filed a writ petition in the Allahabad High Court against his termination and it will not, therefore, be appropriate to review his case which is pending for a decision in the court. The representation from Shri N. K. Sharma has been considered by the competent authority and it has not been found possible to reinstate him in service.